

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी

प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

दिल्ली में आयोजित 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' केवल एक तकनीकी आयोजन भर नहीं है, बल्कि यह भारत को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में निर्णायक रूप से आगे बढ़ाने वाला मंच सिद्ध हो रहा है। यह समिट उच्च परिवर्तनकारी युग का संकेत है जिसमें ज्ञान, आंकड़ा और नवाचार ही आर्थिक शक्ति के मूल आधार बनेंगे। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि इसके दूरगामी वित्तीय और सामरिक लाभ भारत की विकास यात्रा को नई ऊंचाई देंगे। सबसे पहले, यह समिट वैश्विक निवेश आकर्षण का केंद्र बनकर उभरी है।

विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों द्वारा भारत में विशाल निवेश की घोषणाएं इस बात का प्रमाण हैं कि भारत को भविष्य की डिजिटल शक्ति के रूप में देखा जा रहा है। स्टार्टअप इकोसिस्टम, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस इंफ्रास्ट्रक्चर और वलाउड तंत्र में लाखों करोड़ रुपये के निवेश से न केवल पूंजी प्रवाह बढ़ेगा, बल्कि देश में उच्च स्तरीय तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र भी विकसित

एआई इम्पैक्ट समिट : महत्वपूर्ण पहल

होगा। इससे सहायक उद्योगों, ऊर्जा, दूरसंचार और निर्माण क्षेत्र को भी गति मिलेगी।

दूसरा बड़ा लाभ नवप्रवर्तन उपक्रमों को मिल रहा है। समिट में आयोजित विशेष नवाचार चुनौतियां युवा उद्यमियों को वैश्विक निवेशकों से जोड़ रही हैं। सैकड़ों नवप्रवर्तन उपक्रमों को प्रत्यक्ष संवाद का अवसर मिलना अपने आप में ऐतिहासिक है। विजेताओं को नकद प्रोत्साहन राशि और संपादन सुविधा हेतु विशेष क्रेडिट दिए जा रहे हैं, जिससे वे अपने विचारों को व्यावसायिक रूप दे सकें। इससे भारत का नवाचार परिदृश्य अधिक आत्मनिर्भर और प्रतिस्पर्धी बनेगा।

तीसरा आयाम 'निर्माण भारत में' से आगे बढ़कर 'सृजन भारत में' का है। भारत ने स्वदेशी आधार मॉडल विकसित कर यह संकेत दिया है कि वह केवल विदेशी तकनीक का उपभोक्ता नहीं

रहेगा। डेटा संप्रभुता की दृष्टि से यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है। इससे विदेशी निर्भरता घटेगी और विदेशी मुद्रा की बचत भी होगी। साथ ही, देश में रियायती दरों पर संपादन शक्ति उपलब्ध कराना सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के लिए वरदान सिद्ध हो सकता है। कम लागत पर उच्च स्तरीय तकनीक की उपलब्धता उन्हें वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे ले जाएगी।

चौथा और सबसे व्यापक प्रभाव सकल घरेलू उत्पाद तथा रोजगार पर पड़ेगा। आकलन है कि 2030 तक कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत की अर्थव्यवस्था में सैकड़ों अरब डॉलर के समतुल्य योगदान दे सकती है। यद्यपि कुछ पारंपरिक रोजगार प्रभावित हो सकते हैं, परंतु डेटा वैज्ञानिक, मशीन शिक्षण अभियंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता नैतिकता विशेषज्ञ जैसे नए क्षेत्रों में लाखों अवसर उत्पन्न होंगे। कौशल विकास और

पुनः प्रशिक्षण की नीति के साथ यह परिवर्तन सकारात्मक सिद्ध हो सकता है। क्षेत्रीय दृष्टि से भी इसके व्यापक लाभ दिखाई देते हैं। कृषि में सटीक खेती तकनीक से उत्पादकता बढ़ेगी और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि संभव है। स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निदान प्रणाली से उपचार सस्ता और सुलभ होगा, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में। वित्तीय प्रौद्योगिकी में उन्नत विश्लेषण से धोखाधड़ी पर नियंत्रण होगा और डिजिटल लेनदेन में विश्वास बढ़ेगा।

समग्र रूप से यह समिट भारत को वैश्विक दक्षिण के नेतृत्वकारी देश के रूप में स्थापित कर रही है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि वह सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि अनुसंधान, नवाचार और अर्धचालक निर्माण जैसे क्षेत्रों में भी अग्रणी भूमिका निभाने को तैयार है। यदि नीति, निवेश और कौशल विकास का यह समन्वय निरंतर बना रहा, तो कृत्रिम बुद्धिमत्ता भारत की आर्थिक शक्ति को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक मोड़ सिद्ध होगी।

केंद्रीय बजट विश्लेषण



अखिलेश जैन

श्री नरेन्द्र मोदी जी ना तो छोटा सोचते हैं, ना छोटा करते हैं। स्पीड और स्केल अपने आप में भिन्न होते हैं। कार्यों के परिणाम भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी के लक्ष्य भी भिन्न होते हैं। प्रधानमंत्री जी का कार्य करके उसको 100% तक पूरा करने का प्रयास करते हैं। यह बात बिल्कुल सही है प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 2014 में जब से देश की सत्ता संभाली है, देश के स्थापित लक्ष्यों को पीछे छोड़ते हुए जिस स्पीड और स्केल से कार्य किया है, रात दिन एक करके बिना विश्राम लिए, वह किसी भी विश्लेषक को आश्चर्यचकित करने के लिए पर्याप्त है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अगुवाई वाली सरकार ने हमेशा निर्णायक रूप से, अस्पष्टता की जगह काम को, बातों की जगह सुधार को और लोक-लुभावन नीतियों की जगह लोगों को प्राथमिकता दी है। सन् 2014 में प्रति व्यक्ति की आय 86647 रुपए सालाना थी, 2023 में बढ़कर 172000 रुपए सालाना हो गई, 2026 में लगभग 2.5 लाख से 2.72 लाख रुपए सालाना के बीच तक पहुंचने का अनुमान है, इस बीच में कोरोना जैसी वैश्विक महामारी का भी देश ने सामना किया। कोरोना के

बांग्लादेश में नई राजनीतिक बयार

बांग्लादेश ने विगत कुछ माह में बहुत से उतार-चढ़ाव देखे हैं। शेख हसीना का निर्वासन, युवाओं की बगावत और अब बेगम जिन्ना की पार्टी बीएनपी को शानदार जीत। बांग्लादेश का जन्म भारत की अगुवाई में हुआ। अब तक भारत से

उसके रिश्ते बहुत अच्छे रहे। भारत ने तीस्ता विवाद से लेकर हर समझौते में बांग्लादेश को झुकता नाम दिया। लेकिन युनुस की केयर टेकर सरकार ने पाकिस्तान से प्यार की पींगे बढ़ाई और कट्टरपंथियों ने पाकिस्तान को अपना खेरखाह माना। मगर अब ऐसा लगता है कि शायद भारत से वह संबंध सुधारने की पहल कर रहा है। क्योंकि बांग्लादेश नेमनलिस्ट पार्टी के चेयरमैन तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नई चुनी हुई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के लिए पीएम मोदी को न्योता दिया गया, किंतु उनकी जगह लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला 17 फरवरी को इसमें

शिरकत करेंगे। इस पहल का स्वागत करते हुए बांग्लादेश की ओर से जारी सरकारी विज्ञापन में कहा गया है कि साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी सम्मान से जुड़े पड़ोसियों के तौर पर, भारत बांग्लादेश में तारिक रहमान के नेतृत्व में चुनी

हुई सरकार के आने का स्वागत करता है, जिनके विजन और मूल्यों को लोगों का भारी समर्थन मिला है। भारत के अलावा चीन, पाकिस्तान, सऊदी अरब, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, मलेशिया, बुर्नेई, श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और भूटान

शामिल हैं। यह बांग्लादेश का 13वां राष्ट्रीय चुनाव है, जिस तरह से वहां धार्मिक धुवीकरण हुआ है और अल-अस-सुख हिंदुओं का दमन तथा हत्याओं का सिलसिला जारी रहा है, आशा की जानी चाहिए कि अब वह थमेगा और भारत के साथ उसके संबंध भले ही पहले की तरह न हों, किंतु पट्टरी पर तो आ ही जाएंगे।

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमिती माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति वतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाला

CROSS WORD 12174 - डॉ. सागर खादीवाला

1	2	3	4	5	6
7		8	9	10	
11	12	13	14		
	15	16			
17	18		19	20	
		21		22	23
24	25		26	27	
28			29		

बाएं से दाएं

- अजीबों के कारण होने वाला पेट दर्द 4. पति, प्रेमी 7. रहस्य, भेद, गुप्त बात (उद्दू) 8. घर, मकान, रहना (सं.) 10. सीमा, मर्यादा 11. कहार, सरदार, श्रेष्ठ 13. क्षतिपूर्ति, हानि के बदले में दिया जाने वाला धन 15. एक प्रकार का लड़ाकू वायुयान जिससे शत्रु पर बम गिराए जाते हैं 18. दली हुई अरहर-मूंग आदि 19. महा, अरति, बहुवचन 21. तंदूर में पकाई जाने वाली एक तरह की मोटी खमीरी रोटी 22. लज्जा, शर्म, हया 24. मित्र, प्रेमी 26. मच्छर आदि से बचने के लिए पहलक के चारों ओर लगाया गया जालीदार कपड़ा 28. तन्मयता 29.

अभिप्राय, आसय ऊपर से नीचे

- विश्राम, आरोग्य, सुख, चैन 2. धार्मिक संप्रदाय, मत, पंथ, धर्म (उद्दू) 3. तीतर की जाति का एक छोटा पक्षी 5. माने या बोलने का ढंग, स्वर 6. शिव (सं.) 9. खुशी से 12. एक प्रकार का धान 14. धन, संपत्ति 16. घुमाव, फिराव, फेरा 17. हरे-भरे पेड़-पौधों का विस्तार 20. समुद्रमंथन के समय निकला हुआ भयंकर विष 23. भूमि नापने की 60 गज लंबी जंजीर 25. जंगल, रण, युद्ध 26. मेरा (सं.) 27. किसी पदार्थ का सार भाग, सत्य, सच

Solution 12173

वा	स	ख	व	स्था	का	श
स	र	स	व	री	य	ता
ना	न	र	दा	नी		
	पा	मि	वा	क		
अ	र्थ	शा	स	द		
मि	र	छ	वि	गू	ह	
ता	ज	दा	र	वा	ह	क
भ	य	प	द	स्थ		

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में यात्रा होगी, सफ़लता मिलेगी, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, राजनैतिक गतिविधियों का योग है, वर्ष के मध्य में दाम्पत्य जीवन में कलह की स्थिति न आने दें, यात्रा होगी, वर्ष के अन्त में स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें, दिनचर्या में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है।

मेघ और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को भौतिक सुख साधनों की उपलब्धता रहेगी, उत्तरदायित्वों को संभालना पड़ेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों

को व्यापार में सफ़लता मिलेगी, यात्रा में कष्ट होगा, कर्क राशि के व्यक्तियों को मित्रों से मतभेद होगा, सिंह राशि के व्यक्तियों को आय में सुधार होगा, धार्मिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को उन्नति होगी, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को शत्रु पक्ष पर विजय प्राप्त होगी, अध्ययन में रूचि रहेगी, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों का मनोबल बना रहेगा।

मेघ- पारिवारिक मामलों का समाधान होगा, महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण करने में सफ़लता मिलेगी, व्यापार व्यवसाय में सावधानी रखें, सुख सुविधाओं में वृद्धि होगी, वृषभ- नए निवेश लाभदायी रहेंगे, मेहनत का फल मिलने लगेगा, शारीरिक कष्ट तथा मानसिक परेशानियों का समाधान होगा, व्यक्तिक का विकास होगा, मिथुन- तरकी की सम्भावना बनेगी, शत्रु आपसे भयभीत होंगे, कोर्ट के चक्करों के कार्यों में विलम्ब होगा, सुख शांति में कमी होगी, मांगलिक कार्य बनेंगे, कर्क- कानूनी मामलों में सफ़लता मिलेगी, आकस्मिक योजनाओं से अच्छा लाभ होगा, रचनात्मक कार्यों में सफ़लता मिलेगी, कुछ नये कार्यों में परेशानी हो सकती है, सिंह- कठोर परिश्रम करके विपरीत स्थिति को अनुकूल बना सकते हैं, स्वयं से कोई भूल होगी, मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा, लाभप्रद अवसरों की प्राप्ति होगी, कन्या- यलत तरीके से धन कमाने का प्रयास नुकसानदायक रहेगा, कारोबारों यात्रा सुखद रहेगी, व्यापार व्यवसाय में पूंजी जमाने में पूर्ण सावधानी रखें, तुला- व्यापारिक क्षेत्र में लोग अड़चन पैदा करने की कोशिश करेंगे, कुटुम्बियों के कार्यों को करने में व्यस्तता रहेगी, मन में उसाह बना रहेगा, प्रतिष्ठा प्राप्त होगी, वृश्चिक- महत्वपूर्ण योजना को पूरा करने का प्रयास करें, कारोबारी यात्रा सुखद रहेगी, आर्थिक लाभ का योग है, कामकाजी महिलाओं को कार्य अधिक करना पड़ेगा, धनु- पूर्व योजना के बिना शुरू किये गये कार्यों में अस्पष्टता का पूँह देखा पड़ेगा, अनावश्यक कार्यों में समय खर्च होगा, मन में उसाह दायित्वों की पूर्ति होगी, मकर- कोर्ट कचहरी में चल रहे मामले और उलझ सकते हैं, धैर्य से काम लें, किसी व्यक्ति के द्वारा अपमान का शिकार होना पड़ सकता है, कार्यों में रूचि रहेगी, कुम्भ- किसी बात को लेकर तनाव रहेगा, किसी व्यक्ति की सलाह लेना हितकर रहेगा, नियोजित कार्य की रूपरेखा पर विचार विमर्श होगा, मीन- आप समस्याओं से उबरने में सफ़ल रहेंगे, शुभ समाचारों की प्राप्ति होगी, परिश्रम सार्थक होगा, अधिकारियों के क्रोध का सामना करना पड़ सकता है, उदयकालीन ग्रह चाल

आज जन्मे जिनका भविष्य आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, हंसमुख, मिलनसार, दयालु तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होगा, नौकरी या पैतृक कार्य में संलग्नता रहेगी, परिश्रमी होगा, मनोरंजन यात्रा में विशेष रूचि रहेगी, पिता का भक्त होगा, उदयकालीन ग्रह चाल

रा.मि. 29 संवत् 2082 फल्गुन शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे शाम 5/5, शतभिषा नक्षत्रे रात 9/39, शिव योगे रात 11/21, वव करणे सू.उ. 6/23, सू.अ. 5/37, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

त्यापार भविष्य फल्गुन शुक्ल प्रतिपदा को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी, किन्तु आज मंदा रहने पर गेहूँ, चना में तेजी का रुख बना रहेगा, तिलहन में तेजी का योग है, सफेद रंग की वस्तुओं में अचानक तेजी होगी, भाग्यांक 5719 है, पंचांग

रा.मि. 29 संवत् 2082 फल्गुन शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे शाम 5/5, शतभिषा नक्षत्रे रात 9/39, शिव योगे रात 11/21, वव करणे सू.उ. 6/23, सू.अ. 5/37, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

आज जन्मे जिनका भविष्य आज जन्म लिया बालक स्वस्थ, हंसमुख, मिलनसार, दयालु तथा शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी होगा, नौकरी या पैतृक कार्य में संलग्नता रहेगी, परिश्रमी होगा, मनोरंजन यात्रा में विशेष रूचि रहेगी, पिता का भक्त होगा, उदयकालीन ग्रह चाल

रा.मि. 29 संवत् 2082 फल्गुन शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे शाम 5/5, शतभिषा नक्षत्रे रात 9/39, शिव योगे रात 11/21, वव करणे सू.उ. 6/23, सू.अ. 5/37, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

त्यापार भविष्य फल्गुन शुक्ल प्रतिपदा को शतभिषा नक्षत्र के प्रभाव से लाल रंग की वस्तुओं में तेजी होगी, किन्तु आज मंदा रहने पर गेहूँ, चना में तेजी का रुख बना रहेगा, तिलहन में तेजी का योग है, सफेद रंग की वस्तुओं में अचानक तेजी होगी, भाग्यांक 5719 है, पंचांग

रा.मि. 29 संवत् 2082 फल्गुन शुक्ल प्रतिपदा बुधवासरे शाम 5/5, शतभिषा नक्षत्रे रात 9/39, शिव योगे रात 11/21, वव करणे सू.उ. 6/23, सू.अ. 5/37, चन्द्रचार कुम्भ, पर्व- चन्द्रदर्शन, शु.रा. 11,1,2,5,6,8 अ.रा. 12,3,4,7,9,10 शुभांक- 4,6,0.

दिल्ली डायरी

बसपाई हाथी के साथ दौड़ने की फिराक में सपाई साइकिल



प्रवेश कुमार मिश्र

सपाई साइकिल बसपाई हाथी के साथ कदमताल करने की तैयारी में है ?

कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के पस्त होते वजूद को ध्यान में रखते हुए सपाई रणनीतिकारों ने नए राजनीतिक विकल्प की तलाश आरंभ कर दी है। हालांकि कांग्रेस पार्टी अभी भी लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का हवाला देकर एकजुट होकर लड़ने की बात कह रही है लेकिन जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए सपाई व बसपाई रणनीतिकारों ने अपने-अपने वोटबैंक को मजबूत आधार देने के लिए गठबंधन के विकल्प पर विमर्श आरंभ कर दिया है।

पवार परिवार की एकजुटता पर ग्रहण

एनसीपी नेता व महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार की असामयिक मृत्यु के बाद एनसीपी के दोनों गुटों के बीच की प्रस्तावित व संभावित एकजुटता को ग्रहण लग गया है। जिस तरह से अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार को आगे बढ़ाते हुए उन्हें दल का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने के लिए पार्टी रणनीतिकारों ने रणनीति बनाई है उससे साफ है कि अब शरद

ट्रेड डील से होने वाले फायदे व नुकसान पर बहस

संसद के बजट सत्र के दौरान संसद के अंदर और बाहर भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर जिस तरह से बहस हुई उसको लेकर अलग-अलग तर्कों के साथ चर्चा किया जा रहा है, कांग्रेस इसे सरकार की दुलमुल नीति और अमेरिका के साथ किसानों के हितों को सुरक्षित नहीं रखने का आरोप लगाकर बड़े आंदोलन की रणनीति बना रही है जबकि व्यापार समझौते में शामिल मंत्रियों के साथ-साथ अन्य विशेषज्ञ इसकी अच्छाई को बताकर किसी भी भ्रम को दूर करने के प्रयास में हैं, ऐसे में चर्चा है कि औपचारिक समझौते के बाद सरकार एक सोची-समझी रणनीति के तमाम इसके सकारात्मक पक्षों को उजागर करते हुए विपक्षी आरोपों का तथ्यात्मक जवाब देगी, इतना ही नहीं संभावित कांग्रेसी आंदोलन के पहले भाजपा अपने संगठन के माध्यम से गांव-गांव तक परिचर्चा कर इस समझौते के संदर्भ में तथ्यात्मक तर्क रखेगी ताकि किसी भी तरह का भ्रम न रहे, विधानसभा चुनाव में सपा व बसपा के बीच संभावित गठबंधन की आहट मिलने लगी है, ऐसे में दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या कांग्रेस से हाथ छुड़ाकर सपाई साइकिल बसपाई हाथी के साथ कदमताल करने की तैयारी में है ?

युवाओं के रुख पर पश्चिम बंगाल का राजनीतिक भविष्य

पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव में भले ही सत्ताधारी टीएमसी को भाजपा की ओर से कड़ी टक्कर दी जा रही है लेकिन इस बार बंगाल का राजनीतिक भविष्य युवा मतदाताओं के हाथ दिख रहा है, कहा जा रहा है कि जाति, धर्म और प्रांतवाद से परे मजबूत आधार देने के लिए गठबंधन के टिका हुआ है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, विधानसभा चुनाव में सपा व बसपा के बीच संभावित गठबंधन की आहट मिलने लगी है, ऐसे में दिल्ली के राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि क्या कांग्रेस से हाथ छुड़ाकर सपाई साइकिल बसपाई हाथी के साथ कदमताल करने की तैयारी में है ?

कहा जा रहा है कि इंडिया गठबंधन के पस्त होते वजूद को ध्यान में रखते हुए सपाई रणनीतिकारों ने नए राजनीतिक विकल्प की तलाश आरंभ कर दी है, हालांकि कांग्रेस पार्टी अभी भी लोकसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन का हवाला देकर एकजुट होकर लड़ने की बात कह रही है लेकिन जातिगत समीकरण को ध्यान में रखते हुए सपाई व बसपाई रणनीतिकारों ने अपने-अपने वोटबैंक को मजबूत आधार देने के लिए गठबंधन के विकल्प पर विमर्श आरंभ कर दिया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां एक तरफ पश्चिम बंगाल के बजट में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की ओर से युवा सार्थी योजना आरंभ कर प्रदेश के 10वां पास 40 आयु वर्ष के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने का एलान कर उन्हें अपने पाले में करने का प्रयास किया है वहीं दूसरी ओर दिल्ली में बैठे भाजपाई रणनीतिकारों ने इस योजना के साथ-साथ रोजगार सृजन का वादा कर युवाओं को रोजगार व राष्ट्रवाद के नारों से आकर्षित करने का प्रयास किया है, जहां